प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

उत्तराखण्ड राज्य में जैविक खेती की अपार संभावनाएं

पंतनगर 27 सितम्बर 2022। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार शिक्षा निदेशालय के सभागार में पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता का अर्थशास्त्र (टीईईबी) एक दिवसीय हितधारक कार्यशाला का आज आयोजन किया गया यह कार्यक्रम यूरोपियन यूनियन द्वारा वित्त पोषित था। इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी, ऊधमसिंह नगर, श्री युगल किशोर पंत, कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान के साथ उपाध्यक्ष, किसान आयोग, उत्तराखण्ड, श्री राजपाल सिंह निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनिल कुमार शर्मा एवं निदेशक शोध, डा. ए.एस. नैन उपस्थित थे। निदेशक प्रसार शिक्षा निदेशालय, डा. अनिल कुमार सिंह ने सभी का स्वागत किया एवं कार्यक्रम की रूप–रेखा बतायी।

अपने संबोधन में श्री युगल किशोर पंत ने कहा कि उत्तराखण्ड के पहाडी क्षेत्रों के किसानों के लिए जैविक खेती लाभप्रद है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को जैविक खेती के क्षेत्र में नयी तकनीकों को विकसित कर किसानों तक पहुंचाना चाहिए, जिससे उनकी आय में वृद्वि हो सके।

डा. मनमोहन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखण्ड राज्य में जैविक खेती की आपार संभावनाएं है क्योंकि राज्य में मैदानी क्षेत्र, मध्यम पर्वतीय क्षेत्र एवं अधिक ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्र उपलब्ध हैं। मैदानी क्षेत्रों में कृषक रसायनिक फर्टिलाइजर का प्रयोग काफी मात्रा में कर रहे हैं इसलिए आवश्यक है कि मैदानी क्षेत्रों में जैविक पद्धति को प्रयोगात्मक चयनित प्रक्षेत्रों पर अधिक से अधिक प्रदर्शन लगायें जायें ताकि जैविक खेती को ऊधमसिंह नगर एवं नैनीताल जिलों में बढ़ावा दिया जा सके। अधिक ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक खेती नयी पद्धति से किये जाने हेतु कृषकों को अधिक से अधिक प्रोत्साहित किया जाये। जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए कुलपति ने आह्वान किया कि बद्री नस्ल की गाय को प्रोत्साहित किया जाये ताकि सीमान्त किसान अपनी आय में बढोत्तरी कर सके, जोकि एक क्रांतिकारी कदम होगा। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित नई प्रजातियों एवं तकनीकों को उत्तराखण्ड राज्य के अंतिम किसान तक पहुंचाया जाये, जिससे किसान इस तकनीकों को अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी, ऊधमसिंह नगर को प्रतीक–चिन्ह प्रदान करते कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं अन्य अतिथिगण।